Impact Factor – 6.625 | Special Issue – 229 (D) | February 2020 | ISSN – 2348-7140

INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION'S

RESEARCH JOURNEY

Multidisciplinary International E-Research Journal

PEER REVIEWED, INDEXED AND REFEREED JOURNAL

SPECIAL ISSUE 229 (D)

भारतीय युवक : आव्हाने आणि संधी

- अतिथि संपादक -
डॉ. व्ही. आर. कोडापे

- मुख्य संपादक -
डॉ. धनराज टी. धनगर

- कार्यकारी संपादक -
डॉ. एन. एम. छंगाणी
प्रा. पी. एस. शिरसाट

Printed By : PRASHANT PUBLICATIONS, JALGAON

For Details Visit To : ...researchjourney.net

हिंदी

38. लोकसंगीतद्वारे राष्ट्रीय एकात्मता निर्माण करणे हे युवा लोकगीत गायकांसमोरील एक आव्हान 91
डॉ. मेघराज ट. मेश्राम

39. मोबाईल से युवाओं के स्वास्थ्य पर हो रहा परिणाम उसके उपाय 93
डा.अनिल आव्हाड काळे

40. भारतीय युवक : संगीत में अवसर 94
प्रा डॉ सुनील वि कोरडे

1 भारतीय युवा और राजनीति 97
प्रा. डॉ. व्ही. बी. घाटबंधे

2 समाज विकास में युवाओं की भुमिका 99
प्रा.दिनेश भास्करराव खंडारे

3 भारत के युवाओं का आर्थिक सशक्तीकरण 101
डॉ. गजानन मनोहरराव कुबडे

4 एक लड़की की डायरी उपन्यास में व्यक्त युवा जीवन 103
प्रा.डॉ. पवन रामराधाराव एमेकर

5 युवा मानसिकताको उकेरतीयवर्तमान हिन्दी कहानियाँ 105
डॉ सुरेशकुमार केसवानी

6 किशोरावस्था के बालकों की आहार संबंधी वर्तमान स्थिति का अध्ययन 108
डॉ.राधा सक्सेनायणी

7 सूचना, तकनीक और संचारक्रांति के चौराहापर भारतीय युवा 111
भूपेश

8 हिंसाचार, आतंकवाद और युवा 112
डॉ.आर.व्ही.मोरे

9 शुभांगी भडभडे के हिंदी में अनूदित उपन्यासों में अभिव्यक्त युवा चेतना 114
डॉ. राजेश्वर बुटले

10 शारीरिक शिक्षा एवम् खेल मे पेशिय गति विज्ञान का महत्व 116
डॉ वैभव के. पवार

11 युवाओं के लिए संगीत मे स्वरोजगार 118
डॉ कौमुदी अनिरुद्ध (बडे)

RESEARCH JOURNEY International Multidisciplinary E-Research Journal ISSN : 2348-7143
Impact Factor (SJIF) - 6.625 | Special Issue 229 (D) : भारतीय युवक : आव्हाने आणि संधी February 2020

भारतीय युवा और राजनीति

प्रा. डॉ. व्ही. बी. चांदजकर
राज्यशास्त्र विभाग प्रमुख,
मातोश्री शांताबाई गोटे महाविद्यालय, वाशिम.

हम सब जानते है की भारत एक प्राजातांत्रिक देश है। आज भारत में दुसरे देशो मे सबसे ज्यादा युवा बसते है। युवा वर्ग वह वर्ग होता है जिस में १४ वर्ष से लेकर ४० वर्ष तक के लोक शामिल होते है।

आज भारत देश में इस आयू के लोग सबसे बडी संख्या में मौजूद है। यह एक ऐसा वर्ग है जो शारीरिक एंव मानसिक रूप से ताकतवर है। जो देश और अपना परिवार के विकास के लिए हर संभव प्रयास करते है। आज भारत देश में ७५ प्रतिशत युवा पढना लिखना जानते है।

आज भारत ने अन्य देशो कि तुलना में अच्छी खासी प्रगती कि है। इसमें सबसे बडा योगदान शिक्षा का है। आज भारत का हर युवा अच्छी से अच्छी शिक्षापा रहा है। उन्हे प्रयास रोजगार के अवसर मिल रहे है। परंतु दुख कि बात यह है कि आज युवा भले ही कितना ही पढ लिखा हो परंतु अपने संस्कार और देश परिवार के प्रति जिम्मेदारियों को दिन प्रतिदिन भूलता ही जा रहा है।

भारत का युवा वर्ग तय्यार है एक नई युवा क्रांती के लिए। लेकिन अफसोस कि बात है की कुछ इस युवा वर्ग भारत मे अपना योगदान देणे कि बजाय विदेशो मे जाकर बस जाते है।

राजनैतिक माहोल :

भारत की राजनीति में आज वृध्द लोगो का बोलबाला है और चंद गिने चुने युवा ही राजनीति में है। इसका एक कारण यह है कि भारत में राजनीतिक माहोल दिन ब दिन बिगड रहा है और सच्चे राजनीतिक लोगो की जगह सतालोलूप और धन के लालची लोगोने लेली है।

राजनीति में देश प्रेम कि भावनाकी जगह परिवारवाद, जातीवाद और संप्रदायवाद ने लेली है। आए दिन जिस तरह से नेताओं के भ्रष्टाचार के किस्से बाहर आ रहे है। देश के युवा वर्ग में राजनीति के प्रति उदासिनता बढती जा रही है।

अब भारत की राजनीति में सुभाषचंद्र बोस, शहिद भगतसिंह, चंद्रशेखर आजाद, लो. टिलक जैसे युवा नेता आज नही है। जो अपने होश और जोश से युवा वर्ग में एक नई क्रांती का संचार कर सके। लेकिन अफसोस आजादी के बात नसीब में है यह बुढे नेता जो खुद की हिफाजत ठीक से नही कर सकते तो युवा को क्या देशभक्ती या क्रांती की बाते सिखाएंगे?

यही वजह है कि भारत के युवा अब इस देश को अपना ना समझकर दुसरे देशो में अपना अशियाना खोज रहे है। वे यहां कि राजनीतिक सत्ता और फैले हुए भ्रष्टाचार से दूर होना चाहते है। यहा तक कि भारत में वोट डालनेवाले युवा को अपने चुने हुए उम्मीदवार पर तक भरोसा नही है।

आज के युवाओं को सिर्फ और सिर्फ टारगेट ओरियेंटेड बना दिया गया है। मतलब यही है की आज कल के माता पिता स्वयं ही चाहते की उनका पुत्र या पुत्री अपने कार्यो के अलावा देश के सामाजिक, कार्यो में भी अपना योगदान दे। क्योंकी आज का माहोल कुछ इस तरह का हो गया है कि सब केवल अपना भविष्य बनाने में लगे हुए है। यहांतक कि युवाओं को उनके परिवार के प्रति जिम्मेदारी का एहसास तक नही होता। इसलिय हमे इसके लिए कई ठोस कदम उठाने होंगे।

भारत देश की हडी युवा वर्ग को कहा जाता है। देश को बनाने के लिए युवा वर्ग मुख्य भूमिका निभाता है। किसी भी देश का भविष्य देश के युवाओ के द्वारा सुंदर बनाता है। हमारा देश तो युवाओं का देश है। हमारे देश की जनसंख्या का एक बडा हिस्सा युवा वर्ग है। युवा उनको कहा जाता है जिनकी उम्र १५ साल से ४० साल के बिच हो। भारत देश को आजादी दिलाने में मुख्य भूमिका निभानेवाले भगतसिंह, सुभाषचंद्र बोस, चद्रशेखर आजाद, खुदिराम बोस थे। इसके अलावा भी बहुत से स्वतंत्रता सग्रामी थे। जिन्होने देश के नाम अपनी जान दे दी। भारतीय युवा ने देश को कहाँ से कहाँ पहुंचा दिया है। युवाओं के चलते ही देश ने इतनी तेजीसे विकास किया है। लेकिन आज का भारतीय युवा स्वार्थी हो गया है। वो देश की तरक्की के बारे में न सोचकर सिर्फ अपने बारे सोचता है। भारतीय युवा को अपनी जिम्मेदारी को समझना चाहिए।

अब समय आ गया है की देश के युवा को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। विकासशील से विकसित देश बनने के लिए उसे सामाजिक, राजनैतिक, प्रशासनिक सभी विषयों में रूची लेना होगा। एक मजबूत राष्ट्र विकास के लिए युवाओं मे एक फौलादी जिगर, दृढ इच्छाशक्ती, पराक्रम, धैर्य, सयंम की जबरदस्त मांग होती है। स्वामी विवेकानंदने कहा था की युवा राष्ट्र की वास्तविक शक्ती है। स्वामी विवेकानंद देश के युवाओ को हमेशा बढावा दिया है। उनके विचार आज भी युवाओं को हमेशा बढावा दिया है। उनके विचार आज भी युवाओं को प्रभावित करते है। यही कारण है की विवेकानंद को कई लोग अपना आदर्श मानते है। मॉडर्न भारत बनाने के लिए उनके विचार आज भी उपयुक्त है।

देश के प्रति युवो को कि जिम्मेदारी :

देश में बदलाव के लिए देश के युवा को देश से प्रेम रखना होगा। देश प्रेम के चलते ही युवा देश कि तरक्की के बारे में सोच पायगा। देश प्रेम दिखाने के लिए युवा को राजनीति में रूची दिखानी होगी। आज देश कि बागडौर वृध्द लोगो के हाथो में है। कुछ एकाद ही युवा राजनीति में सक्रिय है। जिससे राजनीति बत से बतर होती जा रही है। ये बुढे नेता अपनी देखभाल तो सही से नही कर पाते देश की सेवा कैसे करेंगे। देश में युवाओ को देश एक अच्छा नागरिक

410

भी बनना चाहिए। देश के प्रति जिम्मेदारी जैसे वोट डालना, देश को स्वच्छ रखना, टॅक्स भरना, घूस न लेना न देना आदि को समझना चाहिए। एक अच्छा नागरिक वही है जो खुद भी जिम्मदार बने और दुसरे को भी इसके लिए प्रेरित करे।

देश के युवा का राजनीति में आने से फायदा :

१. विकसित, सशक्त देश बनेगा।
२. बेरोजगारी, आरक्षण कि समस्या हल होगी।
३. शिक्षा में वृध्दी होगी।
४. आने वाला कल देश के लिए बहूत अच्छा होगा।

निष्कर्ष :

आज भारत का हर नागरिक भलीभांती अपना अच्छा बुरा समजता है। युवाओं को संप्रदायवाद तथा राजनीति से परे अपनी सोच का दायरा बढाना होगा और ऐसे किसी भी भावना में न बहकर सोच समजकर निर्णय लेना होगा।

भारत का युवा वर्ग वाकई में समजदार है जो सच में इस मातलें में एक है और ज्यादा तर युवा वर्ग राष्ट्रधर्म को सर्वोपरि मान रहा है। यह वाकई में एक अच्छी और सकारात्मक बात है जो भारत जैसे देश के लिए बडी बात है। और भी चिजे है जैसे बेरोजगारी, सरकारी नोकरीयो में जगह पाने के लिए रिश्वत जैसी बाते भी कारण है युवा को देश से दूर करने के लिए। इसलिए हमे समय समयपर अपने युवाओं का मार्गदर्शन करना होगा। जिससे की वे सही और गलत में पहचान कर सके तथा अपने देश को आगे तथा तरक्की के मार्ग पर ले जाने के लिए सहयोग प्रदान कर सके।

संदर्भ :

१) अमर उजाला दि. १८ जाने. २०१९
२) दै. जागरण दि. २० जाने. २०२०
३) दै. भास्कर दि. ०७ जाने. २०२०
4) The Young and the restless-youth and politics in India, Gurchar Kaur 2019
5) Social Harmony- Narendra Modi 2015
6) Deepwali Divine Light of information, Date- 03 Nov. 2017